पाठ्यक्रम – IX–X

भोजपुरी

नउवाँ वर्ग में दाखिल होखे वाला छात्रन के भाषा–शैली आ विचारबोध के आधार बन चुकल होला कि ओकरा के ओकरा भाषिक दायरा के विस्तार आ वैचारिक समृद्धि खातिर संसाधन मुहैया करावल जाव। माध्यमिक स्तर तक आवत–आवत छात्र किशोर हो गईल होले आ ओकरा में बोले, पढ़े, लिखे के संगे–संगे आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होखे लागेला। भाषा के सौंदर्यात्मक पक्ष, कथात्मकता/गीतात्मकता, अखबारी समझ, शब्द के दोसर शक्तियन के बीच अंतर, राजनैतिक चेतना, सामाजिक चेतना का विकास, ओमें लड़िका के आपन अस्मिता के संदर्भ आ आवश्यकता के मुताबिक उपयुक्त भाषा–प्रयोग, शब्दन के सुचिंतित इस्तेमाल, भाषा के नियमबद्ध प्रकृति आदि से छात्र परिचित हो जाला।

एह स्तर पर मातृभाषा भोजपुरी के अध्ययन साहित्यिक, सांस्कृतिक आ व्यावहारिक भाषा के रूप में कुछ एह तरह से होखो कि उच्चतर माध्यमिक स्तर तक पहुँचते–पहुँचते ई छात्रन के पहचान, आत्मविश्वास आ विमर्श के भाषा बन सके। प्रयास इहो होई कि छात्र भाषा के लिखित प्रयोग के संगे–संगे सहज आ स्वाभाविक मौखिक अभिव्यक्तियों में सक्षम हो सको।

एह पाठ्यक्रम के अध्ययन से

1. छात्र अगिला स्तरन पर अपना रुचि आ आवश्यकता के अनुरूप भोजपुरी के पढ़ाई कर सकी आ भोजपुरी में बोले आ लिखे में सक्षम हो सकी।
2. अपना भाषा दक्षता के चलते उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान, समाज विज्ञान आ आउर पाठ्यक्रमन के संगे सहज संबद्धता (अंतर्संबंध) स्थापित कर सकी।
3. दैनिक व्यवहार, आवेदन–पत्र लिखे, अलग–अलग किसिम के चिट्ठी लिखे, तार (टेलीग्राम), इंटरनेट प्रयोग, प्राथमिकी दर्ज करावे आदि काम में सक्षम हो सकी।
4. उच्चतर माध्यमिक स्तर पंर पहुँच के कई एक गो प्रयुक्तियन के भाषा द्वारा ओकरा में वर्तमान अंतरसंबंध के समझ सकी।
5. भोजपुरी में दक्षता के ऊ आउर भाषा संरचनन के समझ विकसित करे खातिर इस्तेमाल कर सकी, स्थानान्तरित कर सकी।

वर्ग IX–X मातृभाषा के रूप में भोजपुरी–शिक्षण के उद्देश्य :

- वर्ग आठ ले प्राप्त भाषिक कौशलन (सुनल, बोलल, पढ़ल, लिखल आ चिंतन) के उत्तरोत्तर विकास।
- सृजनात्मक साहित्य के आलोचनात्मक आस्वाद के क्षमता के विकास।
- स्वतंत्र आ मौखिक रूप से अपना विचारन के अभिव्यक्ति के विकास।

Scanned with CamScanner

- ज्ञान के सब अनुशासनन के विमर्श के भाषा के रूप में भोजपुरी के विशिष्ट प्रकृति आ क्षमता के बोध करावल।
- साहित्य के प्रभावकारी क्षमता के उपयोग करत सब प्रकार के विविधतन (राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग, भाषा) के प्रति सकारात्मक आ संवेदनशील रवैया के विकास।
- जाति, धर्म, लिंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र आदि से संबंधित पूर्वग्रहन के बदलते बनल रूढ़ियन के भाषिक अभिव्यक्तियन के प्रति सजगता।
- विदेशी भषन सहित हिन्दी आ आउर भषन के संस्कृति के विविधता से परिचय।
- व्यावहारिक आ दैनिक जीवन में विविध किस्म के अभिव्यक्तियन के मौखिक आ लिखित क्षमता के विकास।
- संचार माध्यमन (प्रिंट आ इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयोग होखे वाला भोजपुरी के प्रकृति से अवगत करावत आ नया–नया तरीका से प्रयोग करे के क्षमता से परिचय।
- गझिन विश्लेषण, स्वतंत्र अभिव्यक्ति आ तक क्षमता के विकास।
- अमूर्त्तन के पहिले अर्जित क्षमतन के उत्तरोत्तर विकास।
- भाषा में मौजूद हिंसा के संरचनन के समझ के विकास।
- मतभेद, विरोध आ टकराव के परिस्थितियनों में भाषा के संवेदनशील आ तर्कपूर्ण इस्तेमाल से शांतिपूर्ण संवाद के क्षमता के विकास।
- भाषा के समावेशी आ बहुभाषिक प्रकृति के प्रति ऐतिहासिक नजरिया के विकास।
- शारीरिक आ आउर सब प्रकार के चुनौतियन के सामना कर रहल लड़िकन में भाषिक क्षमतन के विकास के उनकर आपन विशिष्ट गति आ प्रतिभा के पहचान।

शिक्षण–युक्तियाँ

माध्यमिक वर्गन में अध्यापक के भूमिका उचित वातावरण के निर्माण में सहायक के होखे के चाहीं। भाषा आ साहित्य के पढ़ाई में एह बात के ध्यान देवे के जरूरत होई –

- छात्र द्वारा कइल जा रहल कि गलतियन के भाषा के विकास के अनिवार्य चरण के रूप में मानल जाए के चाहीं जवना से छात्र अबाध रूप से बिना झिझक लिखित आ मौखिक अभिव्यक्ति करे में उत्साह के अनुभव करो। छात्रन पर शुद्धि के अइसन दबाव ना होखे के चाहीं कि ऊ तनावग्रस्त माहौल में पड़ जाव।
- छात्र स्वतंत्र आ अबाध रूप से लिखित आ मौखिक अभिव्यक्ति करो। अगर कहीं गलती होता त अध्यापक के अपना अध्यापन–शैली में परिवर्त्तन के आवश्यकता होई।
- अइसन शिक्षण–बिन्दुअन के पहचान कइल जाव जवना से वर्ग में छात्र बराबर सक्रिय भागीदारी करो आ अध्यापको एह प्रक्रिया में उनकर साथी बनो।
- भोजपुरी के व्याकरण आ प्रकृति से परिचय करावत ओकरा परिवेशगत आ पाठगत संदर्भनों के प्रयोग करे के चाहीं। ई पूरा प्रक्रिया एह तरह होखे के चाहीं कि छात्र अपना के शोधकर्त्ता समझो आ अध्यापक एह में खाली निर्देशन करी।

Scanned with CamScanner

- भोजपुरी मे हिन्दी, अंग्रेजी आ आउर भाषन के प्रयोगन के उदाहरण से ई बात स्पष्ट कइल जा सकता कि भाषा अलगाव मे से ना बनेला आ ओकर परिवेश अनिवार्य रूप से बहुभाषिक होला।

वर्ग – IX

एह वर्ग के पाठ्य-पुस्तक मे 15 गो पाठ होई, जवना मे 6 गो गद्य, 8 गो पद्य आ एगो व्याकरण के पाठ होई। हर विधा के रचना राखे के चाही। अनुवाद पर एगो पाठ होखे के चाही।

गद्य

1. प्रेरणादायी हास्य कथा (लोक प्रचलित अकिला फुआ के कथा)
2. केहू दलित महापुरुष के जीवनी
3. आपसी सद्भाव बढ़ावे वाली कहानी
4. भोजपुरी क्षेत्र के परंपरागत खेल
5. अनुवाद
6. मल्ल गणतंत्र परिचय

पद्य

1. संत साहित्य
2. भोजपुरी लोककथा
3. दलित चेतना के कविता
4. आधुनिक भावबोध के कविता

रचना

1. संवाद–लेखन, समाचार–लेखन, अनुवाद
2. निबंध–लेखन

व्यावहारिक व्याकरण

शब्द बनावल

लिंग, विलोम

मुहावरा–वाक्य प्रयोग

Scanned with CamScanner

वर्ग – X

एह वर्ग के पाठ्य–पुस्तक में 16 गो पाठ होई, जवना में 7 गो पाठ गद्य के, 9 गो पाठ पद्य के, आ एगो पाठ व्याकरण से होई। हर विधा के रचना राखे के चाहीं। एक अध्याय अनुवाद पर राखे के चाही।

गद्य

1. विदेशन में भोजपुरी
2. केहू बिहारी महापुरुष के जीवनी
3. एड्स से बचाव से संबंधित पाठ
4. भोजपुरी सिनेमा
5. एशियाई खेल में कबड्डी (एकर नियम, बोल आदि)
6. श्रम के महत्ता बतावे वाला पाठ (किसान, चरवाहा/मेहनतकश)
7. सांस्कृतिक विरासत (डोमकच के विस्तार से परिचय संगे–संगे आउर लोकनाट्य के परिचय)

पद्य

1.	संत–साहित्य	2
2.	राष्ट्रीय भाव से भरल कविता	1
3.	पर्यावरण	1
4.	नारी–जागरण के कविता	1
5.	आधुनिक भावबोध के कविता	3

रचना

चिट्ठी, कार्यालयी आवेदन–पत्र, फीचर–लेखन, पटकथा–लेखन

निबंध–लेखन

व्यावहारिक–व्याकरण

क्रिया आ ओकर भेद, विशेषण आ क्रिया विशेषण

पद–परिचय

मुहावरा आ लोकोक्ति–पाठ्य–पुस्तकन के आधार पर

अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक उत्प्रेक्षा आ मानवीकरण।

Scanned with CamScanner

नउवाँ वर्ग खातिर पाठ्यचर्या

क्रम	शिक्षण मद	तरीका	उद्देश्य	मंतव्य / मूल पाठ के सहायक सामग्री
1.	शब्द–उच्चारण	जबानी अभ्यास	सुने–पढ़े के योग्यता पैदा कइल	ज्यादा–से–ज्यादा अभ्यास
2.	परिचित विषय आ प्रसंग पर समूह–चर्चा	जबानी अभ्यास	सुने–पढ़े, लिखे, समझे में दक्षता	वैश्वीकरण के लाभ–हानि, आ अइसने अउरू विषय
3.	गद्यांश अवबोध	पढ़–लिख के समझल	पढ़े–लिखे सुने के समझदारी के साथे उत्तर देल	अनजान परिच्छेद साहित्यिक आदि
4.	कहानी / लोककथा / नाटक के पाठ	विस्तृत रूप से पढ़के आ लिखके	पढ़े आ समझदारी के साथे–साथे कल्पनाशक्ति के विकास	क्षेत्रीय भाषा में लिखल आ विदेशन के लेखकन के लिखल चीज
5.	सूचनात्मक अनुच्छेद आ निबंध–पाठ	विस्तृत पठन	पढ़े आ संप्रेषण क्षमता के विकास	जनसंख्या, मीडिया, पर्यावरण, बगल के राज्य आ पड़ोसी देस
6.	कविता–पाठ	जबानी लिखित	भाषा के सृजनात्मक क्षमता के समझ आ आनंद	जीवन आ समाज के मूल्यन से जुड़ल पाँच–छवगो कविता
7.	लिखित अभ्यास (रचना)	संयमित / नियंत्रित रचना संयोजन	संप्रेषण क्षमता आ लिखे के तरीका के विकास कइल	पत्र–लेखन, अनुच्छेद लेखन, टेलिग्राम, आदि
8.	अनुवाद	लिखित अभ्यास	मातृभाषा से हिन्दी / अंग्रेजी आ अंग्रेजी / हिन्दी से मातृभाषा में	समकालीन जीवनानुभव आ वैश्विक स्तर के विषय
9.	व्याकरण	जबानी / लिखित अभ्यास	सुने, बोले, पढ़े आ लिखे के सही योग्यता पैदा कइल	पाठ आधारित सामग्री के आधार पर

Scanned with CamScanner

दसवाँ वर्ग खातिर पाठ्यचर्या

क्रम	शिक्षण मद	तरीका	उद्देश्य	मंतव्य / मूल पाठ के सहायक सामग्री
1.	शब्द के उच्चारण	जबानी अभ्यास	सुने–पढ़े में दक्षता	ज्यादा–से–ज्यादा अभ्यास
2.	समकालीन विषयों पर सामूहिक चर्चा	जबानी	सुने–पढ़े–लिखे आ बोले में दक्षता पैदा कइल	वैश्वीकरण युग में साहित्य पढ़ला के जरूरत जइसन विषयन पर चर्चा
3.	गद्यांश अवबोध	पढ़–लिख के समझल	पढ़े–लिखे के समझदारी के साथे– साथे सही उत्तर देवे के योग्यता	अनजान परिच्छेद
4.	कहानी / लोककथा / नाटक के पाठ	जबानी / लिखित अभ्यास	पढ़े आ समझदारी के साथ कल्पना शक्ति आ संप्रेषण क्षमता के विकास	क्षेत्रीय भाषा में लिखल आ विदेशन में लिखल भोजपुरी में साहित्यिक सामग्री
5.	सूचनात्मक अनुच्छेद आ निबंध पाठक	विस्तृत पठन	पढ़े आ संप्रेषण के समझदारी के विकास कइल	प्राकृतिक आपदा / वानिकी मानवाधिकार / साहस सांस्कृतिक भिन्नता
6.	कविता–पाठ	जबानी / लिखित अभ्यास	भाषा के सृजनात्मक क्षमता के समझ आ आनंद उठावल	जीवन आ समाज के विभिन्न पक्षन पर लिखल कविता
7.	लिखित अभ्यास (रचना)	संयमित / नियंत्रित आ रचना संयोजन	संप्रेषण क्षमता आ लेखन–क्षमता के विकास	पत्र–लेखन, कार्यालयी साधारण, आवेदन–पत्र, अनुच्छेद–लेखन, सूचना / संदेश–लेखन आदि
8.	अनुवाद	लिखित	मातृभाषा से हिन्दी / अंग्रेजी फेर हिन्दी / अंग्रेजी से मातृभाषा में	समकालीन जीवनबोध आ वैश्विक विषय से संबंधित अनुच्छेद
9.	व्याकरण	जबानी / लिखित अभ्यास	सही–सही सुने पढ़े–लिखे के योग्यता पैदा कइल	पाठ आधारित सामग्री के सहायता से

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्या के पठन–पाठन खातिर समय तालिका

अवधि	इकाई	संवाद–अवधि	'प्रदत्त कार्य आ समीक्षा खातिर संवाद अवधि	संवाद की कुल अवधि
पहली अवधि	पहली इकाई	25	05	30
	दूसरी इकाई	25	05	30
दूसरी अवधि	पहली इकाई	25	05	30
	दूसरी इकाई	25	05	30
तीसरी अवधि	पहली इकाई	25	05	30
	दूसरी इकाई	25	05	30
कुल		150	30	180

' ई पाठ्यक्रम एह ढंग से तइयार कइल गइल बा कि ई 87) घंटा (150 घंटी में) में आसानी से पढ़ावल जा सकता। एह से वइसन इलाका के विद्यालय जवन, प्राकृतिक आपदा (बाढ़ आदि) आ आउर कवनो कारण से बंद रहत होखे, ओजाँ परियोजना आ समीक्षा खातिर निर्धारित संवाद–अवधि 17) घंटा (30 घंटी) के उपयोग संवाद अवधि में होई।

मूल्यांकन

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य भाषा के चारों कौशलन के समेकित विकास कइल बा। बाकिर निश्चित समय–सीमा निर्धारित क के औपचारिक परीक्षा द्वारा चारों कौशलन आ उपकौशलन के मूल्यांकन व्यावहारिक रूप से बड़ी कठिन बा। एह से वर्ग दस के बोर्ड परीक्षा 100 अंकन के लिखित परीक्षे होई। बाकिर वर्ग नौ में औपचारिक वार्षिक परीक्षा के संगे–संगे सतत मूल्यांकन पर जोर दिहल जाई। एह वर्ग के मूल्यांकन के एह समेकित प्रक्रिया में एह प्रकार अंक–भार निश्चित कइल गइल बा –

क्रम	मूल्यांकन	अंक भार
1.	**सतत मूल्यांकन**	60:
	(क) अभिव्यक्ति / वार्त्तालाप कौशल	20:
	(ख) परियोजना कार्य	20:
	(ग) औपचारिक जाँच	20:
2.	**वार्षिक परीक्षा**	40:

सतत मूल्यांकन आ वार्षिक परीक्षा में अलगे–अलगे उत्तीर्णांक प्राप्त कइल जरूरी होई। सतत मूल्यांकन आ वार्षिक परीक्षा–दूनो में मिला के कम–से–कम 30: अंक प्राप्त करे वाला छात्रन के अगिला वर्ग में प्रोन्नत कइल जा सकेला।

Scanned with CamScanner

सतत मूल्यांकन

सतत मूल्यांकन में सबसे बेसी ध्यान सुने (श्रवण) आ बोले (वाचन) पर दिहल जाई, काहे कि कइएक गो व्यावहारिक कठिनाइयन का करते एकर समावेश अबहीं औपचारिक जाँच–पद्धति में संभव नइखे। बाकिर एह सब के उपेक्षो नइखे कइल जा सकत, काहे कि अइसन कइला पर छात्रन के अभिव्यक्ति भा संप्रेषण के दक्षता के समुचित विकास ना हो सकी। एह से 'सुने' आ 'बोले' के दक्षता के समुचित मूल्यांकन सुनिश्चित कर खातिर एह सब के सतत मूल्यांकन के सबसे बेसी प्रमुख अंग बनावे के जरूरत बा।

सतत मूल्यांकन के दोसर महत्त्वपूर्ण इकाई परियोजना कार्य–सहित आउर वर्ग कार्य भा गृह–कार्य होई जे छात्रन के स्वतंत्र आ रचनात्मक चिन्तन के विकास सुनिश्चित करी।

अखियान करे जोग बात बा जे छात्रन के उपलब्धि के सतत मूल्यांकन के प्रक्रिया वर्ग आ विद्यालय के कई तरह के गतिविधियन द्वारा पूरा सत्र में जारी रही। ई सब गतिविधि औपचारिको हो सकेला बाकिर सुने आ बोले के कौशलन के मूल्यांकन खातिर ई आवश्यक बा कि अधिक अंकभार अनौपचारिक गतिविधियन के दिहल जाव। सत् मूल्यांकन के सबन इकाइयन खातिर अंकन के विभाजन आ अंकभार एह तरह से होई –

संवाद–दक्षता, वाद–विवाद, समूह–चर्चा आदि	20:
प्रदत्त कार्य	20:
औपचारिक कार्य	20:
कुल	60:

2. संवाद–दक्षता (20%)

वार्त्तालाप संबंधी दूनो दक्षतन माने सुने आ बोले के पूरा मूल्यांकन अनौपचारिक रूप भा औपचारिक रूप से (10 अंक) भा दूनो के समिलात रूप में (10 अंक) कइल जा सकता।

(अ) **अनौपचारिक मूल्यांकन (20% भा 10%)** : पाठ के अध्यापन के क्रम में जहाँ–तहाँ छात्रन खातिर परिचर्चा, अभिनय, चर्चा करे भा आपन–आपन दृष्टिकोण रखे के जरूरत होई, संबंधित शिक्षक एह गतिविधियन के संचालन करिहें आ हर छात्र के हिस्सेदारी पर ध्यान दिहें। ई प्रक्रिया पूरा सत्र ले चलत रही। कौशलन के अंतरण के मूल्यांकन खातिर नीचे दिहल गइल स्केल के प्रयोग करत छात्र के 0 से 10 तक अंक दिहल जा सकता। नीचे दिहल गइल स्केल में अंक 1, 3, 5, 7, 9 खातिर स्केल दिहल गइल बा। एह आधार पर 3 आ 5 के बीच आवे वाला छात्र के 4 अंक दिहल जा सकता। एही तरे स्केल 0 से अधिक दक्षतावाला छात्र के दक्षता के मुताबिक 10 अंक ले दिहल जा सकता। मूल्यांकन के एह स्केल के जानकारी छात्र के सत्र के शुरुए में दे देवे के चाही।

कौशलन के अंतरण के मूल्यांकन

1. छात्र में परिचित संदर्भन में आवे वाला शब्दन आ पदन के समझे के सामान्य योग्यता त बा, बाकिर 3 माने (आशय) के सम्बद्ध रूप में ना समझ पावेला।	1. छात्र में मात्र शब्दन आ पदन के प्रयोग के योग्यता त बा, बाकिर ऊ ओकरा के ठीक–ठीक बोल नइखे पावत।

Scanned with CamScanner

3.	छोट–छोट सम्बद्धन के परिचित संदर्भन में समझे के योग्यता बा।	3.	परिचित संदर्भन में मात्र छोट–छोट संबंद्ध कथनन के सीमित शुद्धता के संगे प्रयोग करता।
5.	परिचित भा अपरिचित–दूनो प्रकार के संदर्भन में कथित सूचना के साफ–साफ समझे के योग्यता त होखे बाकिर भाषागत गलती भी बा, जवन भाव के अभिव्यक्ति में अवरोध उपस्थित करेले।	5.	छोट के अपेक्षा बड़ भाषण में बेसी जटिल कथनन के प्रयोग के योग्यता लउकता बाकिर संप्रेषण भा अभिव्यक्ति में अवरोधक कुछ गलतियों पावल जाता।
7.	लमहर कथनन के शृंखला के एकदम शुद्ध–शुद्ध समझता आ निष्कर्ष निकाल सकता।	7.	अपरिचित स्थितियन में विचारण के तार्किक ढंग से संगठित क के धाराप्रवाह प्रस्तुत कर सकता। कुछ गलतियन के बादो सम्प्रेषण निर्बाध रहता।
9.	उद्देश्य के अनुकूल सुने के कुशलता के संगे जटिल कथनन के विचार बिन्दुअन के समझ बा।	9.	ना मात्र के गलतियन से युक्त प्रसंग आ श्रोता–दूनो के अनुरूप भाषण–शैली के प्रमाण देता।

(ब) औपचारिक जाँच–परीक्षा (10%) : संवाद–दक्षता खातिर अनौपचारिक मूल्यांकने बेहतर बा, बाकिर यदि कवनो विद्यालय के अइसन इच्छा बा त ऊ 10 अंकन के औपचारिक जाँचो के व्यवस्था क सकता। बाकिर अइसन औपचारिक जाँच खाली साल के अंते में लिहल जाई। औपचारिक जाँच–समूह–अंतर्वार्त्ता के रूपे में लिहल जाई। 4–5 छात्रन के एगो समूह होई। हर समूह बारी–बारी से दिहल गइल विषय पर परिचर्चा करी। रटंत शिक्षा के हतोत्साहित करे खातिर, परिचर्चा प्रारंभ करे के मात्र 10 मिनट पहिले परिचर्चा के विषय बतावल जाई। परिचर्चा के दौरान विषय–शिक्षक अपना कवनो सहकर्मी शिक्षक के संगे हरेक छात्र के हिस्सेदारी आ प्रवीणता के देखिहें आ कौशलन के अंतरण के मूल्यांकन स्केल के मुताबिक हरेक छात्र के अंक दिहें। संबंधित विद्यालय के हरेक छात्र के अलग–अलग अन्तवार्त्ता लेवहूँ के विकल्प रही, जवना के अन्तर्गत वाद–विवाद आ भाषण प्रतियोगिता करावल जा सकता।

(स) प्रदत्त कार्य (20%) : पाठ–सामग्रियन पर आधारित कइएक गो गतिविधियन के सतत मूल्यांकन खातिर प्रदत्त कार्य का रूप में चिह्नित कइल जा सकता। ई काम परियोजना (Project) कामों का रूप में हो सकता। एह प्रदत्त कामन में छात्रन के प्रदर्शन के अभिलेख रखल जाई आ एह काम में ओसे प्राप्तांक के वार्षिक परीक्षा के कुल प्राप्तांक में जोड़ल जाई। एह प्रदत्त कामन खातिर 20 अंक निर्धारित कइल गइल बा।

Scanned with CamScanner

चूँकि वाचन–क्षमता के मूल्यांकन लिखित काम द्वारा नइखे कइल जा सकत, एह से एह दक्षता के जाँच मुख्य रूप से संवाद–दक्षता के अंतर्गत कइल जाला। पठन दक्षता के मूल्यांकन पाठ से संबंधित अइसन गतिविधियन से कइल जा सकता जवना में लेखन–काम, जइसे नोट बनावे, टेबल बनावे भा सारांश लिखे के जरूरत पड़ेला। ई देख के कि ई प्रदत्त कार्य सुने/पढ़े–दक्षता के मूल्यांकन खातिर बा, छात्र के एही आधार पर अंक दिहल जाई कि ऊ सुन के भा पढ़ के विषय–वस्तु के केतना समझ पावेले। अइसन प्रदत्त कार्यन में छात्रन के अंकन में विराम–चिह्न, हिज्जा भा व्याकरण संबंधी गलतियन खातिर कटौती ना करे के चाही। बोधगम्यता निर्धारण खातिर मूल्यांकन स्केल के जरूरत नइखे।

(द) **लेखन–कौशल के मूल्यांकन :** छात्र के भाषित दक्षता के समग्र मूल्यांकन के ई एगो महत्त्वपूर्ण आ अभिन्न अंग बा। एह से बेसी अंक प्रदत्त लेखन–कौशल के ध्यान में रख के दिहल जाई।

प्रदत्त कामन में हरेक साल भिन्नता होखे के चाही। शिक्षक पूरा साल के प्रदत्त कार्यन/गृह–कार्यन/वर्ग–कार्यन के अभिलेख रखिहें आ छात्रन के प्राप्तांक के (20 अंकन में) वार्षिक परीक्षा के अंक के संगे जोड़ल जाई। वर्ग नौ के वार्षिक परीक्षा के अंकभार 40% होई।

Scanned with CamScanner